(Pages : 4) **K – 4722**

Reg. No. : .....

Name : .....

Third Semester M.A. Degree Examination, February 2021

Hindi

HL 231 – MODERN POETRY UPTO PRAGATIVAD

(2015 Admission Onwards)

Time : 3 Hours Max. Marks : 75

I. सही उत्तर चुनकर लिखिए।

1. तीसरा सप्तक के संपादक कौन है?

   (अज्ञेय, नागार्जुन, धूमिल, पन्त)

2. महादेवी के काव्य-संकलन का नाम क्या है?

   (साकेत, चितम्बरा, उर्वशी, सन्धिनी)

3. प्रकृति के सुकुमार कवि इनमें कौन है?

   (निराला, अज्ञेय, पन्त, अशोक वाजपेइ)

4. 'वे मुस्काते फूल नहीं –

   जिनको आता है मुरझाना' – किस रचयिता की पंक्तियाँ हैं?

   (जगदीश गुप्त, सुमित्रानन्दन पन्त, महादेवी वर्मा, सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला)

5. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना किस सप्तक परंपरा के कवि है?

   (तारसप्तक, दूसरा सप्तक, तीसरा सप्तक, चौथा सप्तक)

6. कुरुक्षेत्र किसकी रचना है?

   (निराला, पन्त, महादेवी, दिनकर)

gcwcentrallibrary.in

7. 'हरे प्यारे को सेज-पास

नम्र मुख हँसी-खिली ' - किस रचना की पंक्तियाँ हैं?

(वह तोड़ती पत्थर, जुही की कली, सरोजस्मृति, रश्मिरथि)

8. 'जीवन को अष्टादशाध्याय' - का क्या अर्थ है?

(आठवीं आयु, अठारहवीं आयु, अठाइसवीं आयु, साठवीं आयु)

9. महादेवी वर्मा कृत 'सन्धिनी' का प्रकाशक कौन है?

(वाणी प्रकाशन, अमन प्रकाशन, लोकभारती, जवाहर पुस्तकालय)

10. महादेवी की ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त रचना का नाम क्या है?

(नीरजा, नीहार, सन्धिनी, यामा)

(10 × 1 = 10 Marks)

II. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए।

11. महादेवी का विरह-दुख।

12. गुप्त जी का राष्ट्रप्रेम।

13. निराला का विद्रोही तत्व।

14. प्रसाद की समरसता।

(2 × 5 = 10 Marks)

III. किसी **एक** प्रश्न पर निबन्ध लिखिए।

15. काव्य में उपेक्षित स्त्री-पात्रों को

गुप्तजी ने काव्यों के लिए उचित कहकर

प्रमुख स्थान दिया है - समर्थन कीजिए।

16. निराला का विद्रोही स्वर उनके पूरे साहित्य रचना में प्रस्फुटित है - सिद्ध कीजिए।

(1 × 10 = 10 Marks)

gcwcentrallibrary.in

IV. किन्हीं **दो** प्रश्नों पर निबन्ध तैयार कीजिए।

17. निराला की 'सरोजस्मृति' हिन्दी का उत्तम शोकगीत है – समीक्षा कीजिए।

18. काव्यगुण के आधार पर गुप्तजी के 'साकेत' का मूल्यांकन कीजिए।

19. यशोधरा और ऊर्मिला के चरित्र की तुलना कीजिए।

20. पन्त की तूलिका में प्रकृति पल पल परिवर्तित होती है – व्यक्त कीजिए।

(2 × 10 = 20 Marks)

IV. किन्हीं पाँच अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए।

21. अरो चिन्ता की पहली रेखा, अरी विश्व-वन की प्याली,
ज्वालामुखी स्फोट के भीषण प्रथम कंपी शो मतवाली!
कै अभाव की चपल बालिके री ललाट की खल लेखा!
क्री भरी सी दौड-धूप, जल माया की चल रेखा!

22. आयी याद बिछुड़न से मिलन की वह मधुर बात
आयी याद चान्दनी की धुली हुई अधी रात,
आयी याद कान्ता की कम्पित कमनीय गात,
फिर क्या? पवन
उपवन-सर-सरिता गहन-गिरि-कानन
कुंज लता-पुंजों को पार कर
पहुँचा जहाँ उसने की केलि
कलि-खिली-साथ

23. परिचय-परिचय पर खिला सकल
नभ, पृथ्वी द्रुम, कलि किसलय दल
क्या दृष्टि ! अतल की सिक्त-धार
ज्यों भोगावती की अपार
उमड़ता ऊर्छ को कल सलील।

gcwcentrallibrary.in

24. धन्ये, मैं पिता निरर्थक था,
कुछ भी तेरे हित न कर सका
जाना तो अर्थागमोपाय
पर रहा सदा संकुचित-काय

25. भरा थामन में नव उत्साह सीख लूँ ललित कला का ज्ञान
इधर रह गंधर्वों के देश, पिता की हूँ प्यारी सन्तान
घूमने का मेरा अभ्यास बढ़ा था मुक्त-त्योम-तल नित्य,
कुतूहल खोज रहा था, व्यस्त हृदय-सत्ता का सुन्दर सत्य।

26. ऐसा तेरा लोक, वेदना
नहीं, नहीं जिसमें अवसाद,
जलना जाना नहीं, नहीं -
जिसने जाना मिटने का स्वाद !

27. उन से कैसे छोटा है
मेरा यह भिक्षुक जीवन?
उनमें अनन्त करुणा है
इसमें असीम सूनापन !

28. चौंक पडी युवती
चकित चितवन निज चारों ओर फेर,
हरे प्यारे को सेज-पास,
नम्र मुख हँसी-खिली,
खेल रंग, प्यारे संग।

(5 × 5 = 25 Marks)

gcwcentrallibrary.in